



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 422]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 29, 2010/श्रावण 7, 1932

No. 422]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 29, 2010/SHRAVANA 7, 1932

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 2010

सा.का.नि. 642(अ).—वायुयान नियम, 1937 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने का प्रस्ताव करती है, उक्त अधिनियम की धारा 14 की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से, जिसको भारत के उस राजपत्र की प्रतियाँ, जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, तीस दिन की अवधि के पश्चात् विचार किया जाएगा ;

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हों, महानिदेशक नागर विमानन, सफदरजंग विमानपत्तन के समाने, नई दिल्ली-110003 को भेजे जा सकेंगे;

ऐसे आक्षेप या सुझाव पर, जो उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में किसी भी व्यक्ति से विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान से पूर्व प्राप्त हो सकेंगे, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा ।

प्रारूप नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (संशोधन) नियम, 2010 है ।
2. वायुयान नियम, 1937 में,—
  - (क) नियम 21 के पश्चात्, निम्नलिखित नियमों को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
    - “22. किसी कर्मिंदल सदस्य पर हमला और बाधा डालने संबंधी अन्य कार्य.—विमान पर सवार, कोई व्यक्ति,—
      - (क) किसी कर्मिंदल सदस्य पर शारीरिक रूप से या मौखिक रूप से, ऐसा हमला नहीं करेगा अभित्रास नहीं करेगा या धमकी नहीं देगा, जिससे कर्मिंदल सदस्य के कार्यों के अनुपालन में बाधा पड़ सकती है या उन कर्तव्यों को पूरा करने में कर्मिंदल सदस्य की क्षमता कम हो सकती है ;
      - (ख) समादेशक विमान चालक या समादेशक विमान चालक की ओर से किसी कर्मिंदल सदस्य द्वारा दिए गए ऐसे विधिपूर्ण अनुदेश का पालन से इंकार नहीं करेगा जो विमान या किसी व्यक्ति या विमान पर लदी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए या विमान में सही व्यवस्था और अनुशासन बनाए रखने के लिए दिये गये हों ।
  23. हमला या सुरक्षा को संकट में डालने वाले अन्य कार्य या व्यवस्था तथा अनुशासन को जोखिम में डालना.—
    - (1) विमान पर सवार कोई भी व्यक्ति,—
      - (क) किसी व्यक्ति पर शारीरिक या मौखिक रूप से हमला नहीं करेगा, उसका अभित्रास नहीं करेगा या धमकी नहीं देगा,

(ख) जानबूझकर कोई क्षति नहीं पहुंचाएगा या संपत्ति नष्ट नहीं करेगा,

(ग) मद्यसारिक पेय या मादक द्रव्य का सेवन नहीं करेगा,

जिससे वायुयान या किसी व्यक्ति की सुरक्षा खतरे में पड़ने की आशंका हो या वायुयान पर व्यवस्था तथा अनुशासन जोखिम में पड़ता हो।

(2) नियम 22 और नियम 23 के प्रयोजनों के लिए भारत की अधिकारिता व नियमों के नियम 1 में उपबंधित लागू होने के अतिरिक्त, किसी भी अपराध के मामले में विस्तारित होगा, यदि वह अपराध कार्य भारत से बाहर उड़ान के दौरान वायुयान में हुआ है :

बशर्ते कि—

(क) वायुयान का अगला अवतरण भारत में हो; और

(ख) वायुयान के समादेशक विमान चालक ने संदिग्ध अपराधी को भारत के सक्षम प्राधिकारियों को इस अनुरोध के साथ सौंप दिया हो कि प्राधिकारी संदिग्ध अपराधी पर मुकदमा चलाएं और इस पुष्टि के साथ कि समादेशक विमान चालक या प्रचालक द्वारा न तो ऐसा अनुरोध किसी अन्य देश से किया गया है और न ही किया जाएगा ।”

(ख) अनुसूची VI में, श्रेणी II में, क्रम संख्या 10 के पश्चात्, निम्नलिखित क्रम संख्या अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“10क नियम 22 और नियम 23 के उपबंधों का उल्लंघन

नियम 22 और नियम 23”

[फा. सं. ए वी/11012/04/2010-ए]

प्रशांत सुकुल, संयुक्त सचिव

**टिप्पण :** मूल नियम भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या वी-26, तारीख 23 मार्च, 1937 के द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन भारत के राजपत्र, असाधारण, के भाग II, खंड (3), उप-खंड (i) में प्रकाशित तारीख 8 अप्रैल, 2010 की संख्या सा.का.नि. 297(अ), तारीख 8 अप्रैल, 2010 द्वारा किया गया ।

## MINISTRY OF CIVIL AVIATION

### NOTIFICATION

New Delhi, the 29th July, 2010

**G.S.R. 642(E).**—The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by Section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published as required by Section 14 of the said Act, for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after a period of thirty days from the date on which copies of the Gazette of India in which this notification is published, are made available to the public;

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Director-General of Civil Aviation, Opposite Safdarjung Airport, New Delhi-110003;

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period specified above, will be considered by the Central Government.

### Draft Rules

1. These rules may be called the Aircraft (Amendment) Rules, 2010.
2. In the Aircraft Rules, 1937,—

(A) after rule 21, the following rules shall be inserted, namely :—

**“22. Assault and other acts of interference against a crew member.**—No person shall, on board an aircraft,—

- (a) assault, intimidate or threaten, whether physically or verbally, a crew member which may interfere with the performance of the duties of the crew member or lessens the ability of the crew member to perform those duties;
- (b) refuse to follow a lawful instruction given by the Pilot-in-Command, or on behalf of the Pilot-in-Command by a crew member, for the purpose of ensuring the safety of the aircraft or of any person or property on board or for the purpose of maintaining good order and discipline on board.

**23. Assault and other acts endangering safety or jeopardizing good order and discipline.**—(1) No person shall, on board an aircraft,—

- (a) assault, intimidate or threaten, whether physically or verbally, any person,
- (b) intentionally cause damage to or destroy any of property,
- (c) consume alcoholic beverages or drugs,

which is likely to endanger the safety of the aircraft or of any person or jeopardizes the good order and discipline on board the aircraft.

(2) For the purposes of Rules 22 and 23, the jurisdiction of India shall, in addition to the applicability provided in Rule 1 of these rules, also extend to any offence if the act constituting the offence took place on board any aircraft in flight outside India :

Provided that—

- (a) the next landing of the aircraft is in India; and
- (b) the Pilot-in-Command has delivered the suspected offender to the competent authorities of India, with the request that the authorities prosecute the suspected offender and with the affirmation that no similar request has been or shall be made by the Pilot-in-Command or the operator to any other State.”

(B) In Schedule VI, in Category II, after S. No: 10, the following S. No. shall be inserted, namely :—

“10A Contravention of the provisions of Rules 22 and 23 Rule 22 and 23”

[F. No. AV. 11012/04/2010-A]

PRASHANT SUKUL, Jt. Secy.

**Note :** The principal rules were published in the Gazette of India, *vide* notification number V-26, dated the 23rd March, 1937 and last amended by G.S.R. 297(E), dated the 8th April, 2010, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section (3), Sub-section (i), on the 8th April, 2010.